

दि कल्याण जनता सहकारी बँक लि. (मल्टीस्टेट शेड्युल्ड बँक)

५१ व्या वार्षिक सर्वसाधारण सभेचे इतिवृत्त

रविवार, दि. 04.08.2024 रोजी बँकेची 51 वी वार्षिक सर्वसाधारण सभा नवरंग बँकवेट हॉल, बैलबाजार, कल्याण (पश्चिम) येथे सकाळी 10.00 वाजता आयोजित करण्यात आली होती.

सकाळी ठीक 10.00 वाजता मा. व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. अनंत कुलकर्णी यांनी जाहीर केले की, सभेस आवश्यक ती गणसंख्या नाही, सबब सभा अर्धा तास तहकुब केली जात आहे. सदर सभा अर्ध्या तासानंतर म्हणजे ठीक 10.30 वाजता सुरु होईल व त्या सभेस गणसंख्येचे बंधन असणार नाही. त्यानंतर सकाळी ठीक 10.30 वाजता सभेच्या कामकाजास सुरुवात झाली. मा. व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. अनंत कुलकर्णी यांनी सर्व उपस्थितांचे हार्दिक स्वागत करुन सभेची सूचना वाचून दाखविली. त्यानंतर 51 व्या वार्षिक अहवालातील मुद्रण दोष दुरुस्ती बदल माहिती दिली.

सभेच्या सुरुवातीस मा. अध्यक्ष सी. ए. सचिन आंबेकर यांनी सर्व सभासदांचे स्वागत केले. मा. अध्यक्षानी उपस्थित सभासदांना सांगितले की, ह्या वर्षी अहवाल मांडणीमध्ये बदल केले आहेत. त्याबद्दल काही सूचना असल्यास सभासदांनी बँकेस कळवावे.

यानंतर मा. अध्यक्षांनी बँकेचे उपाध्यक्ष मा. डॉ. रत्नाकर फाटक यांना दुखवटयाचा ठराव मांडण्याची विनंती केली.

ठराव क्र. 1 : दुखवटयाचा ठराव -

मागील वार्षिक सर्वसाधारण सभेपासून ह्या वर्षीच्या सर्वसाधारण सभेपर्यंत ज्या मान्यवरांचे व बँकेच्या सन्माननीय सभासदांचे निधन झाले त्यांना 51 वी वार्षिक सर्वसाधारण सभा श्रद्धांजली वाहत आहे.

बँकेचे संस्थापक संचालक - वामनराव साठे, ठाणे जनता सहकारी बँकेचे संस्थापक संचालक व बँकेतील लेखापरीक्षक - व्ही. के. केळकर, डोंबिवली नागरी सहकारी बँकेचे संस्थापक संचालक उद्योजक व सामाजिक कार्यकर्ते - मधुकर चक्रदेव, माजी लोकसभा अध्यक्ष आणि राज्याचे माजी मुख्यमंत्री - मनोहर जोशी, माजी केंद्रीय उर्जा मंत्री - बबनराव ढाकणे, माजी गर्हनर नागालॅन्ड - पद्मनाभ आचार्य, माजी ओडिशा गर्हनर - मुरलीधर चंद्रकांत भंडारे, शेतकरी कामगार पक्षाच्या ज्येष्ठ नेत्या व माजी मंत्री - मिनाक्षी पाटील, सर्वोच्च न्यायालयाच्या पहिल्या महिला न्यायमूर्ती - फातिमा बिबी, माजी चिफ इलेक्शन कमिशन - डॉ मनोहर सिंग गिल, माजी गर्हनर RBI - एस. वेंकटरमण, संघाचे ज्येष्ठ विचारवंत - रंगा हरी, ज्येष्ठ सामाजिक कार्यकर्त्या व बँकेचे संस्थापक अध्यक्ष कै. भगवानराव जोशी यांच्या पत्नी - मंगला जोशी, भारताचे माजी कर्णधार व दिग्गज फिरकी गोलंदाज - बिशनसिंग बेदी, धूतपापेश्वर कंपनीचे संचालक - आनंद पुराणिक, कीर्तनकार - बाबामहाराज सातारकर, बेडेकर लोणचे-मसाले फेम - अतुल बेडेकर, सहारा गुपचे - सुब्रत रॉय, प्रसिद्ध हॉटेल व्यावसायिक ऑबेरॉय समुहाचे - पी आर एस ओबेरॉय, जनकल्याण समितीचे कार्यकर्ते - रत्नाकर थत्ते, ज्येष्ठ निर्माता व दिग्दर्शक - राजकुमार कोहली, CID फेम अभिनेता - दिनेश फडणीस, विनोदी अभिनेता - ज्युनिअर मेहमूद, ज्येष्ठ अभिनेते - रविंद्र बेर्डे, शास्त्रीय गायक - उस्ताद रशिद खान, ज्येष्ठ शास्त्रीय गायिका - स्वरयोगिनी प्रभा अत्रे, उत्तुंग सांस्कृतिक परिवार ट्रस्ट व ज्येष्ठ शास्त्रीय गायिका आशाताई खाडिलकर यांचे पती - माधवराव खाडिलकर, उडान फेम अभिनेत्री,

निर्मात्या दिग्दर्शक आणि लेखिका - कविता चौधरी, अभिनेता - ऋतुराज सिंह, रेडिओवरील जादुई आवाज - निवेदक - अमीन सयानी, ज्येष्ठ विधिज्ञ - फली नरिमन, चित्रपट दिग्दर्शक - कुमार शाहनी, ज्येष्ठ गजल गायक - पार्श्वगायक - पंकज उधास, प्रसिद्ध गायक जितेंद्र अभिषेकी यांच्या पत्नी - विद्या अभिषेकी, प्रख्यात सिनेमॅटोग्राफर - गंगू रामसे, लावणी परंपरेतील ज्येष्ठ शाहीर - अशोक टेमकरे, शिक्षण क्षेत्रातील प्रसिद्ध व्यक्तित्व - डॉ. शिवाजी जोधळे सर, आमदार व ज्येष्ठ नेते - पी. एन. पाटील, नॅचरल्स आईस्क्रीमचे - रघुनंदन कामत, चांद्रयान - 1 मिशनचे डायरेक्टर - श्रीनिवास हेगडे, पत्रकार - हरपाल सिंग बेदी, भारतीय शास्त्रीय संगीतकार व सरोद वादक - पंडित राजीव तारानाथ, रामोजी फिल्म सिटीचे फाऊंडर - रामोजी राव, अभिनेता, गायक, फिल्म डायरेक्टर प्रोड्यूसर - नईम सय्यद, अभिनेत्री, दिग्दर्शक - आर.सुब्बुलक्ष्मी, रंग शाईचे सम्राट कॅमलिनचे संस्थापक - सुभाष दांडेकर, ज्येष्ठ साहित्यिक - फादर फ्रान्सिस दिब्रिटो, मुंबई विद्यापिठाच्या माजी कुलगुरु - डॉ. स्नेहलता देशमुख, भारताचे माजी कसोटीपटू आणि प्रशिक्षक - अंशुमन गायकवाड.

दिवंगत सभासदांची यादी

क्र.	सभासद क्रमांक	नाव	मृत्यू दिनांक
1	51700	जोशी नविन श्रीराम	04.01.2023
2	43700	महाडिक विद्या विजय	19.01.2023
3	68898	वाणी रमेश चिंधु	31.01.2023
4	42421	कारिया इंदिरा धलाराम	01.02.2023
5	12659	शर्मा जोगींदरपाल मालीकराम	01.02.2023
6	72566	कदम हनुमंत बळीराम	05.02.2023
7	49601	कदम नितेश कृष्ण	17.02.2023
8	30789	जाधव अनंत रामचंद्र	18.02.2023
9	12574	जोशी विद्याधर केशव	19.02.2023
10	25520	चौधरी सुमन तपीराम	20.02.2023
11	15965	विचारे विश्वनाथ महादेव	07.03.2023
12	14995	वाडेकर जयवंत हरिश्चंद्र	14.03.2023
13	66950	पवार मुरलीधर गणपत	14.04.2023
14	4933	कारभारी बळीराम महादु	14.04.2023
15	68905	पाटील शशिकांत माधव	16.04.2023
16	314	बेहरे सुरेश काशिनाथ	19.04.2023
17	36405	डावरे तानाजी रामभाऊ	02.05.2023
18	58220	पवार संजय शंकर	06.05.2023
19	49942	दिवेकर विशाल बबन	08.05.2023
20	25901	पाटील शंकर मारुती	10.05.2023
21	54530	जाधव शिवाजी सखाराम	11.05.2023
22	15021	जाधव मधुकर हश्या	13.05.2023
23	2908	भटनागर महेशचंद्र गणपत	21.05.2023
24	50654	रविंद्रनाथ मिश्रा	21.05.2023
25	663	दीक्षित राजेंद्र कांत	25.05.2023

26	6664	आभाळे मधुकर दारकु	28.05.2023
27	30266	दरडे शांता दामोदर	10.06.2023
28	30677	नायडु गोपाळ रंगय्या	11.06.2023
29	43103	बोरसे नाना भट्ट	15.06.2023
30	17441	कारखानिस अनिता पद्माकर	20.06.2023
31	49161	सुळे गिरीश सुर्यकांत	21.06.2023
32	52973	जोशी दिवाकर वासुदेव	11.07.2023
33	30363	चव्हाण गोविंद तालेराम	21.07.2023
34	11605	आपटे मनिषा महेश्वर	25.07.2023
35	45151	वायळ गजानन धोंडीबा	28.07.2023
36	69542	देशपांडे स्वप्निल दत्तात्रय	30.07.2023
37	31257	अडवले लक्ष्मण नामदेव	31.07.2023
38	2897	पाटणकर घनश्याम वासुदेव	03.08.2023
39	4249	पाटील महादेव दत्तात्रय	05.08.2023
40	3421	ठाकर शुभदा गिरीष	06.08.2023
41	58784	पाठक विजय लक्ष्मण	06.08.2023
42	8802	पारवानी हरिकिशन लेखूमल	07.08.2023
43	5641	मणेरीकर श्रीधर नारायण	08.08.2023
44	16586	धारप सुनंदा गोविंद	11.08.2023
45	40310	येरकुंटवार दत्तात्रय वासुदेवराव	18.08.2023
46	28016	बेंद्रे मालती माधव	19.08.2023
47	4160	घोडे अशोक सिताराम	21.08.2023
48	8301	भोर्डे श्रीरंग कस्तुर	31.08.2023
49	32690	तेलवणे सुरेश नथुराम	08.09.2023
50	63530	पाटील नरेश पद्माकर	08.09.2023
51	47110	बापट अशोक प्रभाकर	08.09.2023
52	38577	लोणे मधुकर उखा	10.09.2023
53	16688	केलते नामदेव खुशाल	13.09.2023
54	14406	राठोड बाबू गोविंद	15.09.2023
55	9184	सांगळे वसंत सावळाराम	15.09.2023
56	7316	पंडित रविकान्त धरमदास	22.09.2023
57	16011	अगाशे रामचंद्र महादेव	23.09.2023
58	29950	निगडे सचिन रघुनाथ	02.10.2023
59	7840	कटारे नरेंद्र लिंबाजी	03.10.2023
60	9400	कल्याणकर अशोक दत्तात्रय	03.10.2023
61	16297	दळवी मधुकर धोंडू	06.10.2023
62	20587	छत्रे चिंतामणी कृष्ण	08.10.2023
63	23505	दुराफे मनोज मधुकर	08.10.2023
64	10472	मालुसरे माधव सयाजी	08.10.2023
65	54281	खाचणे लता सुधाकर	08.10.2023
66	35740	पाठारे रमेश मोगल	09.10.2023
67	15805	कर्वे शुभदा अनंत	09.10.2023

68	56171	शिवेश्वरकर सुधा जगन्नाथ	11.10.2023
69	24079	क्षेमकल्याणी लक्ष्मीकांत पुरुषोत्तम	11.10.2023
70	8150	जाधव हनुमान गणपत	12.10.2023
71	7148	गायकवाड बबन सहादु	13.10.2023
72	22851	कदम दत्ताराम आत्माराम	14.10.2023
73	27296	पाटील नामदेव नाशिक	17.10.2023
74	20156	जोशी प्रभाकर भालचंद्र	23.10.2023
75	11656	पाठक दिनकर दत्तात्रय	23.10.2023
76	38674	रणदिवे रुपेश विजयकुमार	31.10.2023
77	32655	मोकाशी नरहर गोविंद	01.11.2023
78	65595	वेताळ पांडुरंग रावजी	02.11.2023
79	53101	बोरकर चरनदास काशिनाथ	05.11.2023
80	8420	जगताप शाम वामन	10.11.2023
81	22069	देवरे संजय दौलत	10.11.2023
82	70837	कसबे लता अप्पा	12.11.2023
83	7763	बिरारे प्रकाश श्रीपत	13.11.2023
84	75	जोशी मंगला भगवान	14.11.2023
85	6329	खलदकर माधव दिगंबर	16.11.2023
86	19240	देवळे शुभदा पुरुषोत्तम	18.11.2023
87	7695	सावंत पुरुषोत्तम रघुनाथ	22.11.2023
88	34490	जोशी शैलजा त्र्यंबक	22.11.2023
89	11872	चव्हाण दत्तात्रय जसवंत	24.11.2023
90	15323	चक्रदेव मधुकर रामचंद्र	27.11.2023
91	22228	चांगण नारायण आत्माराम	27.11.2023
92	30921	शेडगे राम सुरेश	28.11.2023
93	26173	शिवेश्वरकर केशव जगन्नाथ	30.11.2023
94	20054	जोशी स्वप्नगंधा दिगंबर	15.12.2023
95	31117	चौथे रमेश कौतिक	21.12.2023
96	2459	अभ्यंकर बाळकृष्ण धोंडोपंत	21.12.2023
97	4775	जोसे जोसेफ	30.12.2023
98	21573	पाटील दत्तात्रय भास्कर	31.12.2023
99	13505	चेलाकट बाबू गिरीजावल्लभन	02.01.2024
100	17051	निमसे पांडुरंग दत्तात्रय	02.01.2024
101	910	महिन्द्रकर नारायण नामदेव	03.01.2024
102	18985	पवार नंदकुमार घनश्याम	03.01.2024
103	31784	भटाचार्जी सुचिता	03.01.2024
104	21840	देवळे सदाशिव परशुराम	06.01.2024
105	20898	सायगाव गिरमल्लप्पा निजप्पा	12.01.2024
106	81961	भोंगळे शिवाजीराव ज्ञानदेव	19.01.2024
107	60945	भोईर श्रीराम बच्चुराम	19.01.2024
108	23712	झेमसे सुरेश नारायण	20.01.2024
109	8803	पारवाणी माया हरिकिशन	20.01.2024

110	1949	पटवर्धन शरद परशुराम	20.01.2024
111	15847	देशपांडे चंद्रशेखर गंगाधर	22.01.2024
112	47470	देशपांडे सुरेखा नंदकुमार	27.01.2024
113	16274	मणियार अब्दुल रज्जाक इसाक	28.01.2024
114	34513	सावंत एकनाथ बाबू	29.01.2024
115	48872	मिरकुटे अर्जुन मोतिराम	30.01.2024
116	11598	कुलकर्णी माधुरी प्रभाकर	31.01.2024
117	19431	के. के. चंद्रशेखर	31.01.2024
118	46549	शिधोरे अनुराधा अशोक	01.02.2024
119	46930	दिवेकर सीमा नारायण	05.02.2024
120	69176	गुप्ता छेदीलाल भगवतीप्रसाद	16.02.2024
121	19199	शुक्ला घनश्याम धोंडू	28.02.2024
122	13513	देशपांडे श्रीराम बाळकृष्णा	28.02.2024
123	7140	खैरे प्रल्हाद भगवंत	03.03.2024
124	42413	उपाध्ये अजितकुमार शांतीनाथ	03.03.2024
125	68947	चौरसिया बेला धिजनाथ	03.03.2024
126	39210	पोटा जयदीप व्योमेशचंद्र	08.03.2024
127	40338	गुप्ता जगदंबा हरिराम	09.03.2024
128	14002	शिंदे अरुण गणपत	11.03.2024
129	49684	कुलकर्णी मुग्धा मनोहर	13.03.2024
130	49774	पाटील सत्यवान दशरथ	16.03.2024
131	42343	भवर भीमा विठ्ठल	16.03.2024
132	18678	चौधरी मुकुंद झोपा	19.03.2024
133	43528	जैन फुटुरमल जयरुपजी	24.03.2024
134	5910	तुपे शरद मुरलीधर	25.03.2024
135	6137	निळे विठ्ठल राजाराम	25.03.2024
136	17821	उपाध्ये शरदचंद्र सदाशिव	03.05.2024
137	20572	कुलकर्णी अनंत बाळकृष्ण	11.05.2024
138	4693	धुलप मंदाकिनी विष्णू	13.05.2024
139	47248	कदम मालती वसंत	16.05.2024

यानंतर विषयपत्रिकेवरील विषय सभेपुढे मांडण्यात आले.

विषय: संचालक मंडळाने सादर केलेल्या दि. 31.03.2024 रोजी संपलेल्या आर्थिक वर्षाच्या अहवालाची नोंद घेणे.

तसेच सन 2024-25 च्या अंदाजपत्रकाची नोंद घेणे.

बँकेचे अध्यक्ष मा. सी.ए. सचिन आंबेकर यांनी दि. 31.03.2024 रोजी संपलेल्या आर्थिक वर्षाचा अहवाल व सन 2024-25 साठीचे अंदाजपत्रक सभेपुढे दृकश्राव्य माध्यमातून सादर केले.

विषयास सुरुवात करताना मा. अध्यक्षानी सांगितले की भारताची अर्थव्यवस्था विकसनशील देशाकडून विकसित देशाकडे प्रवास करत आहे. या अर्थव्यवस्थेबाबत 2024-25 साठी दोन भाकित करण्यात आली आहेत. आंतरराष्ट्रीय नाणे निधी (IMF) ने भारताच्या वाढीचा अंदाज (Growth Rate) 6.5% वरून 6.8% पर्यंत वर्तविला आहे. देशांतर्गत वाढीव मागणी आणि काम करणा-या वयोगटातील वाढती संख्या यामुळे हा दर वाढण्याचा अंदाज वर्तविला आहे.

रिझर्व्ह बँक ऑफ इंडियाने आर्थिक वर्ष 2023-24 साठी 5.4% महागाई दराच्या तुलनेत आर्थिक वर्ष 2024-25 मध्ये 4.5% महागाई दराचा अंदाज वर्तवला आहे. ही दोन्ही भाकिते भारताच्या अर्थव्यवस्थेस विकसनशील देशाकडून विकसित देशाकडे प्रवास करीत आहे, हे म्हणण्यास बळ देत आहेत.

यानंतर बँकिंग क्षेत्रातील महत्वाच्या घडामोडीबद्दलचा आढावा मा. अध्यक्षानी सभेपुढे मांडला.

1. रिझर्व्ह बँकेने जून, 2023 मध्ये Technical Write-off व Settlement संदर्भात विस्तृत परिपत्रक काढले आहे. Prudential Write-off ही संकल्पना पूर्वीपासून असल्याचे मा. अध्यक्षानी सांगितले. बँकांचा ताळेबंद स्वच्छ करण्यासाठी Technical Write-off द्वारे रिझर्व्ह बँकेने एक पर्याय उपलब्ध करून दिला आहे. Technical Write-off मध्ये कर्ज खाती निर्लेखित केली तरी सदर खाती बंद न होता फक्त ताळेबंद एकत्रिकरण (Balance Sheet consolidation) करताना या खात्यांची रक्कम तरतुदीसमोर कमी केली जाते.
2. गृहमंत्रालयाने Cyber Dost ही नवीन सुविधा उपलब्ध केली आहे. Digital Payment System मुळे सायबर गुन्हे घडत आहेत. अशा गुन्हांच्या तक्रार नोंदणीसाठी 1930 हा नंबर उपलब्ध करून दिला आहे.
3. 1 जानेवारी, 2024 रोजी रिझर्व्ह बँकेने Inoperative Accounts संदर्भात सविस्तर परिपत्रक काढले आहे. साधारणतः खाते Inoperative झाल्यावर काही कालावधीनंतर ते खाते Dormant या प्रकारात वर्ग केले जाते. परंतु, सदर परिपत्रकानुसार Dormant ही संज्ञा काढून टाकली आहे. तसेच Inoperative खात्यांमधील रक्कम दहा वर्षांनी RBI DEAF कडे वळती केली जाते. ह्या खात्यांमधील रक्कम सरकार जमा होण्यापेक्षा खातेधारकांना मिळण्यासाठी, Inoperative खाती Operative करण्यासाठी बँकांनी प्रयत्न करावेत. मा. अध्यक्षानी उपस्थित सभासदांना आवाहन केले की ज्यांनी खात्यांना नामनिर्देशन दिले नाही त्यांनी त्याची पूर्तता करून घ्यावी.

त्यानंतर, मा. अध्यक्षानी व्यवसायाच्या गरजेनुसार बँकेतील माहिती व तंत्रज्ञानाविभागातील पायाभूत सुविधांमध्ये ज्या सुधारणा केल्या त्याची माहिती सभेस दिली. यामध्ये नव्या हार्डवेअरचे इन्स्टॉलेशन, डेटा बेस मायग्रेषन व डीसी डीआर चे रि-लोकेशन संदर्भात सविस्तर माहिती दिली.

रिझर्व्ह बँकेच्या सायबर सिक्युरिटी फ्रेमवर्क (CSF) बाबतच्या मार्गदर्शक तत्वांची पूर्तता करण्यासाठी तसेच याबाबतच्या नियमांचे पालन करण्यासाठी बँकेने डीसी व डीआर येथील जुने हार्डवेअर बदलले असल्याचे सांगितले.

यानंतर मा. अध्यक्षानी सुवर्ण महोत्सवी वर्षातील काही संस्मरणीय क्षण व त्याची क्षणचित्रे सभासदांसमोर सादर केली.

1. दि. 24.09.2023 रोजी कल्याण येथे संस्थापक सदस्यांचा आणि आजी माजी संचालकांचा मेळावा आयोजित करण्यात आला होता.
2. दि. 29.10.2023 रोजी पिंपरी-चिंचवड येथे मंदार परळीकर यांच्या स्वरमयी वाणीतून साकारलेल्या भारताच्या दैदीप्यमान इतिहासाचा मागोवा घेणा-या 'अमर आग' या कार्यक्रमाचे आयोजन करण्यात आले होते.
3. दि.11.11.2023 रोजी कल्याण पूर्वस दिवाळी पहाट "मेघरंग - जीवनाचे अंतरंग उलगडणारी हिंदी - मराठी गाण्यांची नॉस्टेल्जिक मैफिल" या कार्यक्रमाचे आयोजन करण्यात आले होते.
4. दि.19.11.2023 रोजी सर्व माजी कर्मचा-यांचा स्नेह मेळावा आयोजित करण्यात आला होता. बँकेच्या माजी कर्मचारी असलेल्या सारस्वत बँकेच्या मुख्य कार्यकारी अधिकारी मा. सौ. आरती पाटील यांना

बँकेचे स्मृति चिन्ह व कृतज्ञता पत्र देऊन गौरविण्यात आले. उपस्थित सर्व माजी कर्मचा-यांना सुवर्ण महोत्सवी भेट व कृतज्ञता पत्र देण्यात आले.

5. दि.16.12.2023 रोजी आचार्य अत्रे रंग मंदिर, कल्याण येथे सुवर्ण महोत्सवी सोहळ्याचा सांगता समारंभ परमपूजनीय सरसंघचालक मा. डॉ. मोहनजी भागवत (रा.स्व. संघ) यांच्या आशिर्वादाने संपन्न झाला.

प्रतिवर्षी प्रमाणे सभासदांच्या पाल्यांना सन 2023-24 साठी विद्यार्थी प्राविण्य पुरस्कार सप्टेंबर 2024 मध्ये प्रदान करण्यात येतील.

यानंतर मा. अध्यक्षानी अहवाल वर्षातील आर्थिक परिस्थितीचा आढावा सभेपुढे सादर केला.

आर्थिक वर्षात बँकेने उत्तम कामगिरी केली आहे.

अहवाल वर्षात भागभांडवल रु.8.23 कोटीने वाढून रु.115.79 कोटी झाले असून सभासद संख्या 62116 वरून 64973 इतकी झाली आहे. सभासद संख्येत 2857 ची वाढ आहे. गेल्या वर्षी बँकेने नफा-तोटा पत्रकात तोटा दर्शविला असूनही सभासदांनी बँकेवर विश्वास दर्शविल्यामुळे रु. 15.00 कोटीचे अतिरिक्त भागभांडवल जमा झाले आणि अंदाजे रु. 7.00 कोटी भागभांडवल परत केल्यामुळे निव्वळ वाढ ही रु. 8.23 कोटी दिसत आहे.

राखीव निधीमध्ये रु. 36.36 कोटींनी वाढ होऊन रु.242.12 कोटींवरून रु.278.48 कोटी झाले आहेत.

अहवाल वर्षात ठेवींमध्ये रु.40.00 कोटीने वाढ झाली असून मार्च 2024 ला एकूण ठेवी रु.3354.99 कोटी आहेत. तसेच कर्जांमध्ये रु.86.00 कोटीने घट झाली असून मार्च 2024 ला एकूण कर्जे रु.2073.18 कोटी आहेत. कर्जांमध्ये झालेली घट ही व्यवसायाच्या दृष्टीने घेतलेला एक अभ्यासपूर्ण निर्णय होता.

ठरवल्याप्रमाणे कर्जामधील वाढ मर्यादित ठेवल्याने पुढील फायदे झाले आहेत. एक Standard Assets ची Provision कमी झाली. भांडवल पर्याप्तता प्रमाण RBI निर्देशानुसार राखता आले.

बँकेचा मिश्र व्यवसाय 31 मार्च 2023 रोजी रु.5474.37 कोटी इतका होता त्यात रु.46.20 कोटींची घट झाली असून 31 मार्च 2024 रोजी मिश्र व्यवसाय रु.5428.17 कोटी इतका झाला आहे.

मा. अध्यक्षानी सभेस सांगितले की सर्वसाधारणपणे बँकिंग क्षेत्रात तोटा भरून काढण्यास 3 ते 5 वर्षांचा कालावधी लागतो. पण आपल्या बँकेने दुस-याच वर्षी मागील वर्षातील रु. 20.83 कोटीचा तोटा भरून काढून रु. 15.98 कोटींचा निव्वळ नफा मिळवला. मागील वर्षाच्या तुलनेत नफ्यामध्ये वाढ झाली आहे. याचे श्रेय मा. अध्यक्षानी सभासद, ठेवीदार, कर्मचारी, संचालक मंडळाने वेळोवेळी घेतलेले योग्य निर्णय तसेच कर्मचा-यांचे, अधिका-यांचे योगदान आणि त्यांच्या संघटनांनी दिलेली साथ यांना दिले. गतवर्षी NBA, ARC च्या SR व PMC Bill discounting करीता अतिरिक्त तरतूद केली होती. यावर्षीही ARC च्या SR करीता रु.10.63 कोटी, PMC bill discounting करीता रु.1.44 कोटी तरतूद केली आहे. यावर्षी PMC bill discounting करीता तरतूद पूर्ण झाली असून ही रक्कम 2026-27 या आर्थिक वर्षामध्ये मिळणार आहे.

बँकेचे नेट इंटरेस्ट मार्जिन 2.71% वरून यावर्षी 3.18% झाले आहे. बँकिंग क्षेत्रात नेट इंटरेस्ट मार्जिन 3% पेक्षा जास्त असणे ही चांगली बाब आहे. त्यानंतर मा. अध्यक्षानी सांगितले की 2021-22 वर्षाकरीता दिलेल्या लाभांशची रक्कम रु. 7.11 कोटी ही यावर्षी नफा तोटा वाटणी खाती वर्ग करावी असे RBI ने निर्देशित केले होते. मागील वर्षी ही रक्कम सर्वसाधारण निधी खाती वर्ग केली होती. आर्थिक वर्ष 2018-19 पासून केलेल्या NBA वरील व्याज व SR समोरील तरतूदीचा संबंधित वर्षाच्या नफ्यावर झालेला परिणाम लक्षात घेऊन बँकेने वैधानिक राखीव निधी व सर्वसाधारण मुक्त निधी संदर्भातील लेखानोंदी मागील वर्षी पारित केल्या होत्या. परंतु, रिझर्व्ह बँकेने फक्त आर्थिक वर्ष 2021-22 सालच्या नफ्यावरील परिणाम लक्षात

घेऊन वैधानिक राखीव निधी व सर्वसाधारण मुक्त निधी संदर्भातील लेखानोंदी करण्यास सांगितले. त्यामुळे आधीच्या वर्षासाठी केलेल्या एकूण रक्कम रु. 97.00 लाखाच्या लेखानोंदी वैधानिक राखीव निधीखाती व सर्वसाधारण मुक्त निधीखाती पारीत केल्या आहेत. रिझर्व्ह बँकेने सांगितलेल्या सर्व तरतूदींची पूर्तता केल्यानंतर बँकेचा निव्वळ नफा हा रु. 15.98 कोटी आहे.

अहवाल वर्षात प्रति कर्मचारी उत्पादकता रु.9.00 कोटी झाली आहे. गेल्या वर्षीच्या तुलनेत रु.2.56 कोटींनी कमी झाली आहे. कर्मचा-यांची संख्या 473 वरून 603 झाल्यामुळे कर्मचारी उत्पादकता कमी झाली आहे.

भांडवल पर्याप्तता प्रमाण 10.08% वरून मार्च 2024 अखेर हे प्रमाण 11.56% इतके झाले आहे.

अनुत्पादित कर्जामध्ये थोडी वाढ होऊन Gross NPA रु.131.14 कोटींवरून रु.143.34 कोटी इतके झाले. त्याचे प्रमाण 6.07% वरून 6.91% इतके झाले आहे. निव्वळ अनुत्पादित कर्जाचे प्रमाण 3.19% वरून 3.77% झाले आहे. अनुत्पादित कर्जे रु. 143.34 पैकी रु. 7.81 कोटी कर्जे ही PMC bill discounting असून रु. 33.53 कोटीची काही कर्जे (Standard assets) restructure केल्याने त्यांचे वर्गीकरण Sub standard assets असे केले आहे.

आर्थिक वर्ष 2024-25 मध्ये जून पर्यंत अनुत्पादित कर्जामध्ये अंदाजे रु. 10.00 कोटीची वसूली झालेली आहे. तसेच अहवाल वर्षात निर्लेखित खात्यांमध्ये रु.5.54 कोटींची वसूली झालेली आहे असे मा. अध्यक्षानी सांगितले. ज्या अनुत्पादित कर्जामध्ये 100% तरतूद केली होती त्यात रु. 7.50 कोटी वसूली झाली आहे. तसेच अहवाल वर्षात ARC च्या SR ची वसूली रु. 14.00 कोटींची झाली आहे. यापुढे मा. अध्यक्षानी सांगितले की अहवाल वर्षात सर्व निकषांवर बँकेने उत्तम प्रगती केली असून अहवाल वर्षात कोणतेही खाते निर्लेखित केलेले नाही.

रिझर्व्ह बँकेच्या दृष्टीने पीसीआर (Provision Coverage Ratio) याला महत्व असून हा रेशो मार्च 2023 ला 49.08% होता व मार्च 2024 ला 47.31% आहे.

विमा व्यवसायाची माहिती देताना अध्यक्षांनी सांगितले की, ग्राहकांना सर्वोत्तम कंपन्यांच्या विविध प्रकारच्या विमा सेवांचा लाभ घेता यावा यासाठी बँकेने जीवन विम्याकरीता कोटक लाईफ इन्शुरन्स व सर्वसाधारण विम्याकरीता दि न्यू इंडिया अॅश्युरन्स या बरोबरच SBI Life Insurance Company Ltd. तसेच सर्वसाधारण व आरोग्य विम्यासाठी ICICI Lombard General Insurance Company Ltd. यांच्याबरोबर करार केला आहे. सन 2023-24 मध्ये बँकेने दोन्ही प्रकारच्या विमा व्यवसायामधून रु.98.58 लाख कमिशन मिळविले आहे.

यानंतर मा. अध्यक्षानी अहवाल वर्षात बँकेला मिळालेल्या पुरस्कारांची माहिती सभेस दिली.

बँकेला वेळोवेळी उत्कृष्ट कामगिरीबद्दल विविध संस्थांकडून पुरस्कार देऊन गौरवण्यात आले आहे. ही बँकेसाठी अभिमानाची आणि सन्मानाची बाब आहे. अहवाल वर्षामध्ये बँकेला पुढीलप्रमाणे पुरस्कार मिळाले आहेत.

- रु. 3,000 कोटी ते रु. 4,000 कोटी ठेवी असणा-या मोठ्या सहकारी बँकांच्या गटात 'बेस्ट टेक्नॉलॉजी' साठी बँकेस 'बँको ब्ल्यू रिबन अवॉर्ड 2023' हा पुरस्कार प्रदान.
- बँकेला 'फ्रंटीयर्स इन कोऑपरेटिव्ह बँकिंग अवॉर्ड्स 2023' मध्ये 'बेस्ट लीड जनरेशन इनिशिएटिव्ह' आणि 'बेस्ट ऑडिट इनिशिएटिव्ह' साठी गौरवण्यात आले.

- मे 2024 मध्ये, B2B मार्केट मीडियाने 'Best NPA Management' आणि 'Best Risk Management Initiative' यासाठी भारत रत्न सहकारिता सन्मान देऊन बँकेचा गौरव केला.
- सिनेक्स मीडियाकडून 2023-24 या वर्षासाठी इंडिया बँकिंग समिट आणि अँवॉर्ड 2024 मध्ये बँकेला 'Best Digital Co-operative Bank Award' प्राप्त झाले.

अहवाल सादर केल्यानंतर मा. अध्यक्षानी सन 2024-25 या आर्थिक वर्षासाठीचे अंदाजपत्रक सभेपुढे मांडले. सन 2024-2025 या वर्षाकरिता ठेवी रु.3450 कोटी व कर्ज रु.2200 कोटी असे उद्दिष्ट बँकेने ठेवले आहे.

त्यानंतर मा. अध्यक्षानी सभासदांना त्यांनी मांडलेल्या विषयासंदर्भात काही प्रश्न असल्यास विचारावे असे सांगितले.

सभासद जगदिश द्वीपर यांनी प्रश्न उपस्थित करताना सांगितले की, त्यांचे 2002 पासून खाते आहे व त्यांनी बँकेकडून कर्जही घेतले आहे. सदर कर्जाचे दर वाढले असून हप्त्याची रक्कम वाढली आहे. तसेच बँकेच्या सुविधांमध्ये सुधारणा व्हावी असे त्यांनी सांगितले. ठेवी आणि कर्जाचे 2024-25 वर्षाकरिता असलेले उद्दिष्ट पूर्ण करायला पायाभूत सुविधा आहेत का असे विचारले.

यावर मा. अध्यक्षानी सभासदांना विनंती केली की सभेत वैयक्तिक प्रश्न विचारू नये. सभा संपल्यावर वैयक्तिक प्रश्नांसाठी संचालकांशी संपर्क साधू शकतात किंवा मुख्य कार्यालयाशी संपर्क साधावा.

प्रश्नास उत्तर देताना मा. अध्यक्षानी सांगितले की, या वर्षी बँकेने infrastructure बदलले आहे. DC, DR Site चे रि-लोकेशन केले आहे. त्याचे नियमितपणे Inspection केले जाते. सध्या सर्वच सहकारी बँका या निरनिराळ्या बदलांना सामोरे जात आहेत. मा. अध्यक्षानी बँकेच्या पायाभूत सुविधा, कर्ज आणि ठेवींची उद्दिष्टे साध्य करण्यास सक्षम आहेत अशी माहिती दिली.

तसेच त्यांनी सांगितले की, अहवाल वर्षात रु. 150 ते रु. 200 कोटींची व्यवसाय वृद्धी थांबवून एप्रिल, 2024 मध्ये ती वाढ घेतली आहे. बँकेच्या नव्याने सुरु झालेल्या सूरत शाखेचा व्यवसाय ऑक्टोबर, 2022 ते मार्च, 2024 या दिड वर्षात रु.133.00 कोटी झाला आहे. रिझर्व्ह बँकेच्या अंदाजानुसार नवीन शाखा नफ्यामध्ये यायला अंदाजे 2 ते 3 वर्षे लागतात. ही शाखा पहिल्याच वर्षापासून नफ्यामध्ये आहे.

सभासद श्री. विश्वास जोशी यांनी Technical Write-off संदर्भात सविस्तर माहिती देण्यास सांगितले. मागील वर्षातील तोटा हा संकल्पनात्मक तोटा आहे का आणि यावर्षी रु. 15.00 कोटीचा नफा म्हणजे नफा मार्जिन कमी झाले आहे का असे विचारले.

तसेच सौ. आरती पाटील सारख्या मॅडम बाहेर जाऊन CEO होतात तर आपली बँक कर्मचा-यांचे मुल्यांकन करून बढती देते का असे प्रश्न विचारले.

त्यावर मा. अध्यक्षानी सांगितले की Technical Write-off ही कर्जखात्याकरिताच्या तरतुदींसमोर होते मात्र सदर कर्ज खाते बंद न होता आपल्या सिस्टिममध्ये चालू राहते. मागील वर्षातील रु. 20.00 कोटींचा तोटा हा त्याच वर्षातील आहे व हा तोटा रिझर्व्ह बँकेने सांगितलेल्या काही तरतुदींमुळे झाला आहे. तो मागील वर्षाचा एकत्रित / संकलीत तोटा नाही.

नफा मार्जिन कमी झाले आहे का यावर मा. अध्यक्षानी सांगितले की, मागील वर्षाचा पूर्ण तोटा भरून काढून या अहवाल वर्षात रु. 15.98 कोटींचा नफा झाला आहे.

श्री. विश्वास जोशी यांनी विचारले की, RBI अशी बँक स्थापन करणार होती की जिथे बँका आपले अनुत्पादित कर्ज वर्ग करू शकतील व बँकेचे नफा तोटा पत्रक स्वच्छ ठेवता येईल याबाबत माहिती देण्यास सांगितले.

त्यावर मा. अध्यक्षानी सांगितले की, त्याकरीता "Bad Bank" ही संकल्पना राबविण्यात आली आहे. परंतु, अर्बन को-ऑप. बँकांकरीता अजून अशी काही सुविधा उपलब्ध केलेली नाही.

सौ. आरती पाटील यांच्या संदर्भात केलेल्या प्रश्नाबद्दल मा. अध्यक्षानी सांगितले की, सौ. आरती पाटील मॅडम यांनी त्यांच्या बँकिंग करिअरची सुरुवात आपल्याकडे खूप वर्षापूर्वी केली. नंतर त्यांनी अन्य क्षेत्रात नोकरी केली व पुढे त्या सारस्वत बँकेत रुजू झाल्या व सध्या त्या सारस्वत बँकेत मुख्य कार्यकारी अधिकारी म्हणून कार्यरत आहेत. याकरिता त्यांना गौरविण्यात आले.

प्रश्नोत्तरानंतर मा. अध्यक्षानी ठराव क्र. 2 सभेसमोर मांडला.

ठराव क्र. 2 : मा. संचालक मंडळाने सादर केलेल्या दि. 31.03.2024 रोजी संपलेल्या आर्थिक वर्षाचा अहवाल **मा. अध्यक्ष सी. ए. सचिन आंबेकर** यांनी सभेपुढे सादर केला. त्याचबरोबर पुढील वर्षाचे, सन 2024-25 चे अंदाजपत्रक सभेपुढे मांडले. त्याची ही सर्वसाधारण सभा नोंद घेत आहे.

सूचक : नाव : श्री. भास्कर का. भावसार सभासद क्र. : 21698

अनुमोदक : नाव : श्री. अनिरुद्ध भगवंत मांडे सभासद क्र. : 10828

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर मा. अध्यक्षानी मा. संचालक श्री. हेमंत दरगोडे यांना पुढील ठराव मांडण्यास सांगितले.

विषय: वैधानिक लेखापरीक्षकांनी तपासलेला दि. 31.03.2024 रोजीचा ताळेबंद, नफा-तोटा पत्रक आणि लेखापरीक्षण अहवाल स्वीकृत करणे. तसेच मागील वर्षाच्या वैधानिक लेखापरीक्षणाच्या दोषदुरुस्ती अहवालाची नोंद घेणे.

संचालक, मा. श्री. दरगोडे सर यांनी विषयास सुरुवात करताना सांगितले की, वैधानिक लेखापरीक्षक मे.प्रकाश जी. पाठक अॅण्ड कंपनीच्या वतीने सी.ए. अतुल देशपांडे आणि अंतर्गत लेखापरीक्षक सी.ए. धनंजय गोखले सभेस उपस्थित आहेत.

मा. अध्यक्षानी केलेल्या आर्थिक विवेचनाचा त्यांनी थोडक्यात आढावा घेतला. कर्जावरील व्याज व गुंतवणूकीवरील व्याज हे बँकेच्या उत्पन्नाचे प्रमुख साधन असून त्याचे तपशीलवार व तुलनात्मक विवेचन त्यांनी केले.

बँकेच्या खर्चाचा तपशिल मांडताना ते म्हणाले, सरासरी ठेवींमध्ये रु. 104 कोटींनी वाढ झाली आहे. जरी ठेवींमध्ये रु. 39.65 कोटीची वाढ झाली असली तरीही व्याजात रु. 16.43 कोटी वाढ झाली आहे कारण Cost of Deposit 4.55% वरून रु.4.90% इतके झाले आहे. KLTDS योजनेतील रक्कम मुदत संपल्यानंतर परत देण्यात आल्याने त्यावरील व्याजात घट झाली आहे. बँकेच्या इतर खर्चाबद्दलची सविस्तर माहिती त्यांनी सभेस दिली.

बँकेचा CASA 33% च्या वर असून मिश्र व्यवसाय सुद्धा कायम राखला आहे. वर्षभरात बँकेचा तोटा भरून काढून नफा मिळवता आला याचे श्रेय त्यांनी सभासदांना दिले.

यानंतर वैधानिक लेखापरीक्षक, मे.प्रकाश जी. पाठक अॅण्ड कंपनी यांनी सन 2022-23 करीता सादर केलेल्या वैधानिक लेखापरीक्षण अहवालात नमुद केलेल्या त्रुटींची व त्यांच्या दोषदुरुस्तीबद्दलची माहिती मा. दरगोडे सर यांनी सभेस दिली.

खातेदारांचे Risk Categorisation करणे, सोनेतारण, मुदत ठेव तारण कर्जाचे end use certificate तपासणे, कॅश क्रेडिट खात्यामध्ये दर सहा महिन्यांनी CA Certified Stock Statement घेणे, तारण मालमत्तेचा विमा उतरवणे, Stock insurance हा सरासरी रकमेइतका घेणे, Statutory dues clearance certificate घेणे, बँकेचा चार्ज RTO/CERSAI/ROC यांचेकडे नियमितपणे वर्ग करणे, गृहकर्जासंदर्भात Completion Certificate / Possession letter बँकेच्या दफ्तरी घेणे. अशा प्रकारच्या त्रुटींची पूर्तता करावी असे अहवालात नमुद केले होते. सदर त्रुटींची पूर्तता बँकेने केली आहे.

वैधानिक लेखापरीक्षक मे.प्रकाश जी. पाठक अॅण्ड कंपनी यांनी आर्थिक वर्ष 2022-23 चा वैधानिक लेखापरीक्षण अहवाल दि. 28.06.2023 रोजी सादर केला. बँकेने त्याचा दोषदुरुस्ती अहवाल दि. 26.08.2023 रोजी (60 दिवसांच्या आत) दिला. दि. 22.11.2023 रोजी सदर अहवाल सेंट्रल रजिस्ट्रार नवी दिल्ली येथे पाठवला असल्याची माहिती श्री. दरगोडे सर यांनी सभेस दिली.

विषय मांडून झाल्यावर बँकेचे सभासद श्री. भावसार यांनी कार्यालयीन भाडे खर्च, दुरुस्ती देखभाल व मालमत्ता विक्रीवरील तोटा यावर प्रश्न उपस्थित केला. तसेच शाखांसाठी बँक मालकी हक्काच्या मालमत्ता विकत घेवू शकते का असा प्रश्न उपस्थित केला.

यावर उत्तर देताना मा. हेमंत दरगोडे सरांनी सांगितले की, कार्यालयीन भाडेवाढ ही दर पाच वर्षांनी होते. बँकेच्या एकूण 43 शाखा आहेत. त्यामुळे दरवर्षी कार्यालयीन भाड्याच्या रक्कमेत वाढ होते. त्यात मालमत्तेवरील कराचाही समावेश आहे. झालेली वाढ ही सामान्य स्वरूपाची आहे. पुढे त्यांनी सांगितले की, बँक स्वतःच्या जागा विकत घेऊ शकते पण बँकेला ज्या आवश्यक तरतूदी करणे गरजेचे असते त्यानुसार निर्णय घेतले जातात. बँकेचे मुख्य कार्यालय हे स्वतःच्या मालकीचे आहे. देखभाल दुरुस्तीवरील खर्चाच्या वाढीवर बोलताना मा. दरगोडे सरांनी सांगितले की नुकतेच बँकेने DC, DR Site चे रि-लोकेशन केले आहे. तसेच हार्डवेअरचा वार्षिक देखभाल व इतर बँकिंग सर्व्हिसेससाठी होणारा खर्च ही वाढीची प्रमुख कारणे आहेत.

बँकेतील काही जुन्या फर्निचर सारखे Assets निरुपयोगी झाल्यानंतर Scrap करावे लागतात व त्याची WDV शिल्लक असेल तर तोटा नफा तोटा खाती डेबिट करावा लागतो. त्यामुळे बँकेला रु. 1.40 लाख तोटा झालेला दिसत आहे

सभासद श्री. भरत जाधव यांनी Other Expenses मध्ये कोणत्या खर्चाचा समावेश होतो याबद्दल विचारणा केली.

यावर उत्तर देताना मा. दरगोडे सरांनी सांगितले की सन 2023 हे बँकेचे सुवर्ण महोत्सवी वर्ष असल्यामुळे त्यावर्षातील कार्यक्रमाचा खर्च, ग्राहकांना देण्यात येणा-या डेबिट कार्डचा खर्च, व्यावसायिक शुल्क तसेच सेनव्हॅट क्रेडिट इ. खर्चाचा समावेश other expenses मध्ये होतो.

पुढे श्री. भरत जाधव यांनी विचारले की बुडीत कर्जदारांची माहिती बँकेच्या वेबसाईट वर टाकता येईल का ? यावर उत्तर देताना मा. दरगोडे सरांनी सांगितले की रिझर्व्ह बँकेच्या निर्देशानुसार यासंदर्भातील माहिती वेबसाईटवर टाकता येणार नाही.

त्यानंतर एका सभासदांनी सुचविले की, मुख्य शाखेमध्ये ज्येष्ठ नागरिकांसाठी लिफ्टची सुविधा करावी.

यावर मा. अध्यक्षानी सांगितले की बँक यासंदर्भात योग्य तो विचार करत आहेत.

बँकेचे सभासद श्री. मारुती पाटील यांनी अहवाल, वार्षिक सर्वसाधारण सभेच्या 8 ते 10 दिवस आधी मिळावे अशी विनंती केली. जेणेकरून अहवालासंदर्भात पूर्ण माहिती घेता येईल. यास उत्तर देताना मा. दरगोडे सरांनी सांगितले की, सदर अहवाल सर्व शाखांमध्ये वेळेवर उपलब्ध केले जातात. तसेच शाखांमधील Signage board वर यासंदर्भात सूचना दिली जाते. सभासदांना आपले प्रश्न लिखित स्वरूपात देण्याचे त्यात सुचित केले जाते व त्याची उत्तरे दिली जातात.

यानंतर मा. अध्यक्षांनी सांगितले की, पूर्वी अहवाल पोस्टाने घरी पाठविले जायचे परंतु, काही कारणास्तव ते परत येण्याचे प्रमाण वाढले. त्यामुळे हा खर्च टाळण्यासाठी अहवाल शाखांमध्ये उपलब्ध केलेले असतात. तसेच बँकेच्या वेबसाईटवर सुद्धा अहवाल उपलब्ध करून दिला आहे.

सभासद श्री. सुरेश दत्तात्रय पद्मन यांनी NPA कर्जदारांवर काही कारवाई केली जाते का असा प्रश्न उपस्थित केला.

त्यावर उत्तर देताना मा. अध्यक्षांनी सांगितले की, अशा खातेधारकांवर आवश्यक कारवाई सातत्याने होत असते. यानंतर मा. दरगोडे सरांनी सांगितले की, आपल्याकडील वसूली विभागाकडून देखील जे थकीत कर्जदार कोणत्याही प्रकारचा प्रतिसाद देत नाहीत त्यांच्यावर कायदेशीर कारवाई केली जाते. अशी खाती पूर्ण वसूली झाल्यानंतरच बंद केली जातात.

सभासद टी.के.वासुदेवन यांनी बँकेच्या दि. 16.12.2023 रोजीच्या कार्यक्रमांमध्ये उपस्थित राहू दिले नाही याबद्दलची तक्रार केली असता मा. अध्यक्षांनी सांगितले की, सदर कार्यक्रमास सरसंघचालक मा. श्री. मोहनजी भागवत हे प्रमुख पाहुणे होते व त्यांना केंद्र सरकारची झेड प्लस सुरक्षा होती. त्याचे संपूर्ण नियंत्रण पोलिस विभाग व केंद्र सरकार यांचेकडे होते. त्यामुळे बँक कोणताही हस्तक्षेप करू शकत नव्हती. सदर कार्यक्रमाचे प्रक्षेपण Youtube व Facebook या Social Media चॅनेल वर उपलब्ध करून दिले होते. मा. दरगोडे सरांनी टी.के.वासुदेवन यांना कार्यक्रमात उपस्थित राहता आले नाही याबद्दल संचालक मंडळाच्या वतीने दिलगिरी व्यक्त केली.

सभासद श्री. विश्वास जोशी यांनी प्रश्न विचारला की वाहन कर्ज व गृह कर्जांमध्ये विमा घेतला जातो का ? प्रश्नाला उत्तर देताना मा. अध्यक्षांनी सांगितले की, आपल्याकडे सगळ्या कर्जांसाठी विमा घेतला जातो. परंतु, Insurance Regulatory & Development Authority (IRDA) यांच्या निर्देशांनुसार आपण कोणताही विमा अनिवार्य करू शकत नाही. त्यामुळे मंजुरी पत्रात अट टाकता येत नाही. परंतु, असे असूनही वैयक्तिक कर्जांमध्येही विमा घेण्याचा बँकेचा प्रयत्न असतो.

आपण आपल्या Corporate tie up असलेल्या जीवन विमा (Life) आणि जीवनेतर (Non Life) विमा कंपन्यांच्या योजनांबद्दल ग्राहकांना माहिती देतो व विमा घेतो.

त्यानंतर यासंदर्भातील ठराव क्र. 3 मांडण्यात आला.

ठराव क्र.3: वैधानिक लेखापरीक्षक मे.प्रकाश जी. पाठक अॅण्ड कंपनी यांनी तपासलेला दि. 31.03.2024 रोजीचा ताळेबंद, नफातोटा पत्रक आणि लेखापरीक्षण अहवाल **मा. संचालक, श्री. हेमंत दरगोडे** यांनी सभेपुढे मांडला व समजावून सांगितला त्यास ही सभा स्वीकृत करित आहे. तसेच मागील वर्षाच्या वैधानिक लेखापरीक्षणाचा दोषदुरुस्ती अहवाल **मा. संचालक, श्री. हेमंत दरगोडे** यांनी सभेपुढे सादर केला. त्याची ही सभा नोंद घेत आहे.

सूचक : श्री. सुधीर पुरुषोत्तम जोशी सभासद क्र. 17058

अनुमोदक : श्री. संभाजीराव रामचंद्र बसवर सभासद क्र. 18987

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

अनुमोदक श्री. बसवर यांनी बँकेच्या कामकाजाबद्दल समाधान व्यक्त केले.

त्यानंतर पुढील विषय म्हणजेच नफा तोटा वाटणी पत्रक श्री. मधुसूदन पाटील यांनी सभेपुढे ठेवले.

विषय :संचालक मंडळाने सुचवलेल्या सन 2023-24 सालच्या नफा वाटणीस मंजूरी देणे.

मा. संचालक श्री. मधुसूदन पाटील यांनी सभेस सांगितले की, आर्थिक वर्ष 2023-24 करीता बँकेचा निव्वळ नफा रु. 15.98 कोटी इतका झाला आहे. मा. संचालक मंडळाने शिफारस केलेली नफा वाटणी त्यांनी सभेपुढे मांडली.

निव्वळ नफा	15,97,51,482
मागील शिल्लक	27,597
महोत्सव निधीमधून जमा	1,81,78,165
एकूण	17,79,57,244
वाटणी	
राखीव निधी (२५%)	4,97,27,469
सर्वसाधारण मुक्त निधी	8,69,70,725
सभासद कल्याण निधी	15,00,000
पुढील वर्षासाठी शिल्लक	3,97,59,050
एकूण	17,79,57,244

नफ्याच्या रक्कमेमधून वार्षिक सर्वसाधारण सभेने मंजूर केलेला लाभांश दिला जातो. आर्थिक वर्ष 2022-23 मध्ये बँकेला तोटा असल्यामुळे यावर्षी नफा होऊनही आपणांस रिझर्व्ह बँकेच्या पूर्वपरवानगी शिवाय लाभांश देता येऊ शकत नाही. लाभांश देणेसंदर्भातील पत्र रिझर्व्ह बँकेच्या परवानगीसाठी पाठविले आहे. परवानगी मिळाल्यानंतर आपण लाभांश देऊ शकतो.

त्यानंतर सभासदांना या विषयासंदर्भात काही प्रश्न असल्यास विचारावे असे सांगितले.

सभासद श्री. भावसार यांनी प्रश्न उपस्थित केला की, रिझर्व्ह बँकेने परवानगी दिली नाही तर लाभांश देणार का ?

यावर उत्तर देताना मा. अध्यक्षांनी सांगितले की, रिझर्व्ह बँकेचे नियम आपण मोडू शकत नाही आणि रिझर्व्ह बँकेच्या नियमानुसार, लाभांश घोषित करण्यास अनुमती नाही. रिझर्व्ह बँकेच्या मंजूरीनंतरच बँक लाभांश देऊ शकेल.

एका सभासदाने सूचना / विनंती केली की, विद्यार्थी प्राविण्या पुरस्कार हा Graduation / Post-Graduation शिक्षणासाठीसुद्धा देण्यात यावा. यावर मा. अध्यक्षांनी सांगितले की, या सूचनेबाबत विचार करण्यात येईल.

सभासद श्री. विष्णू दिवेकर (सभासद क्र. 70496) यांनी प्रश्न विचारला की, सभासदांचे करोडो रुपये भागभांडवलात गुंतविले जातात. कर्मचा-यांना वाढीव पगार दिले जातात, Bad Debts ची देखील तरतूद केली जाते. परंतु, लाभांशाची तरतूद का केली जात नाही ? गेले दोन वर्ष सभासदांना लाभांश दिला गेला नाही. लाभांश मिळण्याचा हक्क डावलला जात आहे. याबद्दल सविस्तर खुलासा करावा.

यावर उत्तर देताना मा. अध्यक्षांनी सांगितले की, सभासद हे मालक असतात. त्यांच्याकडून येणारी रक्कम ही भागभांडवल म्हणून घेतली जाते. बँकेचे कर्ज देणे व गुंतवणूक करणे ही मुख्य कार्य असून त्यासाठी लागणारे भांडवल हे ठेवी व भागभांडवलामधून जमा केले जाते. तसेच, कर्मचा-यांना पगार देणे हे बँकेचे

कर्तव्य असून तो मिळणे हा कर्मचा-यांचा अधिकार आहे. जमा खर्चातून उरलेल्या नफ्यामधून लाभांश दिला जातो अशी कायद्यामध्ये तरतूद आहे. नफा तोटा खाती होणा-या सर्व तरतूदी या नियमानुसार केल्या जातात. गेल्या वर्षी तोटा असून देखील आपण सुवर्ण महोत्सवी वर्षानिमित्त सर्व सभासदांना भेट दिली होती. या वर्षी लाभांश हा रिझर्व्ह बँकेच्या परवानगीनुसार देण्यात येईल.

सभासद श्री. सखाराम नथू पाटील (सभासद क्र. 45750) यांनी सांगितले की, दरवर्षी नफ्यामधून काही हिस्सा स्वयंसेवी संस्थेला दिला जातो. परंतु, मागील वर्षी दिला नाही तो या वर्षी देण्यात यावा व महागाई वाढल्यामुळे रक्कमेत वाढ करावी अशी विनंती केली.

मा. अध्यक्षांनी उत्तर देताना सांगितले की, गेल्या वर्षी तोटा असल्यामुळे आपल्याला अशी तरतूद करता आली नाही. ह्या वर्षी आपण रु.15.00 लाखाची तरतूद सभासद कल्याण निधी अंतर्गत केली आहे. रिझर्व्ह बँकेच्या नियमानुसार पुढील वर्षी याबाबत विचार केला जाईल.

सभासद श्री. निलेश सारंग (सभासद क्र. 48193) लाभांशाबाबत प्रश्न उपस्थित केला की, परिवारातल्या इतर बँकांनी सांगितल्या पेक्षा कमी लाभांश दिला तर काही बँकांनी सातत्याने जास्त लाभांश दिला आहे. यावर मा. अध्यक्षांनी सांगितले की, आपण आपल्या बँकेच्या नफा विभागणीबाबतचा प्रश्न मर्यादित ठेव्यात कारण प्रत्येक बँकेची Business Philosophy व आर्थिक क्षमता वेगवेगळी असते. त्यामुळे बँकांची तुलना होऊ शकत नाही.

श्री. टिकेकर या सभासदाने प्रश्न उपस्थित केला की, बँकेचे आर्थिक विवरण पत्रक हे मार्च अखेरचे असून त्यानंतर आता 4 महिने झाले आहेत. आतापर्यंत रिझर्व्ह बँकेची परवानगी घेऊन लाभांश घोषित केला असता तर लोकांना समाधान वाटले असते. आता याबाबतची माहिती सभासदांना मिळू शकत नाही का, यापूर्वी सभेत किती लाभांश जमा होणार हे सांगितले जायचे व पुढील दोन दिवसात लाभांश खात्यात जमा केला जात असे.

यावर उत्तर देताना मा. अध्यक्षांनी सांगितले की, दरवर्षी आपल्या बँकेची परिस्थिती अशी नसते. वैधानिक लेखापरिक्षण झाल्याशिवाय रिझर्व्ह बँकेकडे आपण परवानगी मागू शकत नाही.

सभासद श्री. विलास कांबळे यांनी सभासद होताना प्रवेश फी व अर्ज शुल्क घेऊ नयेत यासंदर्भात सूचना केली.

यावर उत्तर देताना मा. अध्यक्षांनी सांगितले की, प्रवेश शुल्क हे कायद्याप्रमाणे घेतले जात आहे. तसेच अर्ज शुल्क Documentation अंतर्गत घेता येते. अर्ज शुल्क न घेण्याबाबत विचार करुन निर्णय घेण्यात येईल.

सभासद श्री. विश्वास जोशी यांनी प्रश्न विचारला की, CRAR कायम ठेऊन शेअर कॅपिटल मधून काही रक्कम त्या व्यक्तीच्या नावे मुदत ठेवीमध्ये ठेऊन त्यावर व्याज देणे असा काही मार्ग काढता येईल का ?

यावर मा. अध्यक्षांनी स्पष्ट केले की, बँक अडचणीत नाही. मागील वर्षी तोटा दर्शविल्यामुळे यावर्षी किती लाभांश देता येईल हे आता जाहीर करता येत नाही आणि ही परिस्थिती या वर्षाकरिताच आहे अशी आशा करुया.

यानंतर सभासद श्री. मारुती पाटील (सभासद क्र. 4436) यांनी प्रश्न विचारला की, याआधी लाभांश जाहीर करताना रिझर्व्ह बँकेची अनुमती घेतली होती का आणि याही वर्षी जर बँकेला नफा झाला आहे आणि ऑडिट झाले असेल तर बँकेने लाभांश जाहीर करावा अथवा बँकेच्या प्रतिष्ठेला धक्का लागण्याची संभावना आहे.

यावर मा. अध्यक्षानी सांगितले की, मागील वर्षी तोटा झाल्यामुळे या वर्षी आपल्याला लाभांश जाहीर करण्यास रिझर्व्ह बँकेची पूर्वपरवानगी घेणे आवश्यक आहे. अन्यथा यापूर्वी जसा वार्षिक सर्वसाधारण सभेत लाभांश जाहीर केला जात असे तसा तो करता येईल.

सभासद श्री. सुर्यभान कमाणकर यांनी विचारले की, बँक रिझर्व्ह बँकेची अनुमती आल्यावर किती टक्के (%) लाभांश देणार आहे.

यावर मा. अध्यक्षानी सांगितले की रिझर्व्ह बँकेची अनुमती आल्यावरच त्याबाबत माहिती देता येईल.

त्यानंतर यासंदर्भातील ठराव क्र. 4 मांडण्यात आला.

ठराव क्र. 4 : आर्थिक वर्ष 2023-24 करीताचा निव्वळ नफा रु. 15,97,51,482/- झाला आहे. मा. संचालक मंडळाने पुढीलप्रमाणे नफा वाटणीस शिफारस केली आहे. ती **मा. संचालक, श्री. मधुसूदन पाटील** यांनी सभेसमोर मांडली. सदर नफा वाटणीस ही सभा मंजूरी देत आहे.
तसेच रिझर्व्ह बँकेच्या मान्यतेनुसार आर्थिक वर्ष 2023-24 करीता लाभांश देण्यासाठी ही सभा संचालक मंडळाला अधिकार देत आहे.

निव्वळ नफा	15,97,51,482
मागील शिल्लक	27,597
महोत्सव निधीमधून जमा	1,81,78,165
एकूण	17,79,57,244
वाटणी	
राखीव निधी (२५%)	4,97,27,469
सर्वसाधारण मुक्त निधी	8,69,70,725
सभासद कल्याण निधी	15,00,000
पुढील वर्षासाठी शिल्लक	3,97,59,050
एकूण	17,79,57,244

सूचक : श्री. मारुती हरी पाटील सभासद क्र. 4436
अनुमोदक : श्री. जालंदर सूर्यवंशी सभासद क्र. 80507
ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर मा. अध्यक्षानी पुढील विषय मांडण्यासाठी मा. संचालक श्री. पंकज दांडेकर यांना विनंती केली.

विषय : सन 2024-25 साठी वैधानिक लेखापरीक्षकांच्या पुनर्नेमणूकीस मंजूरी देणे.

श्री. पंकज दांडेकर यांनी सुरुवातीस याविषयीची माहिती सभासदांना दिली. वैधानिक लेखापरीक्षकांच्या नेमणूकीसंदर्भात भारतीय रिझर्व्ह बँकेने दि. 27.04.2021 रोजीच्या परिपत्रकाद्वारे मार्गदर्शक सूचना दिल्या आहेत. त्यानुसार वैधानिक लेखापरीक्षकांच्या नेमणूकीस / पुनर्नेमणूकीस रिझर्व्ह बँकेची पूर्वपरवानगी आवश्यक आहे. परवानगी प्राप्त झाल्यानंतर सलग तीन वर्षांपर्यंत त्याच फर्मची पुनर्नेमणूक बँकेला करता येते. दरवर्षी 31 जुलै पूर्वी वैधानिक लेखापरीक्षकांच्या नेमणूकी / पुनर्नेमणूकीचा प्रस्ताव रिझर्व्ह बँकेकडे पाठवावा लागतो. सबब सन 2024-25 करीता आपण मे.प्रकाश जी पाठक अॅण्ड कं. या फर्मची वैधानिक लेखापरीक्षक म्हणून पुनर्नेमणूक करण्याचा प्रस्ताव रिझर्व्ह बँकेकडे पाठविला आहे.

त्यानंतर यासंदर्भातील ठराव क्र. 5 मांडण्यात आला.

ठराव क्र. 5: मा.संचालक, श्री. पंकज दांडेकर यांनी सन 2024-25 करीता वैधानिक लेखापरीक्षकांची नेमणूक / पुनर्नेमणूक करणेबाबतचा विषय सभेसमोर मांडला.

ठराव करण्यात येतो की, वैधानिक लेखापरीक्षकांच्या नेमणूकीसंदर्भात, मल्टीस्टेट सहकारी कायदा 2002, चे कलम 70, बँकिंग नियामक कायदा 1949, मधील तरतुदी, रिझर्व्ह बँकेच्या मार्गदर्शक सूचना तसेच सध्या लागू असलेल्या इतर तरतुदीनुसार, आर्थिक वर्ष 2024-25 साठी वैधानिक लेखापरीक्षकांची नेमणूक / पुनर्नेमणूक करण्याचा तसेच नियमानुसार त्यांचा मेहेनताना उरविण्याचा अधिकार ही सर्वसाधारण सभा संचालक मंडळास देत आहे.

वैधानिक लेखापरीक्षकांचा नेमणूक कालावधी रिझर्व्ह बँकेच्या मंजूरीच्या तारखेपासून ते पुढील वर्षीच्या वार्षिक सर्वसाधारण सभेपर्यंत राहिल.

सूचक : श्री. विश्वनाथ विष्णू पुराणिक सभासद क्र. 21247

अनुमोदक : श्री. आत्माराम वसंत फड सभासद क्र. 13254

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर मा. अध्यक्षानी पुढील विषय मांडण्यासाठी मा. संचालक श्री. पद्मनाभ जोशी यांना विनंती केली.

विषय : बँकेचे व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी यांच्या पुनर्नेमणूक / नेमणूकीबाबतची नोंद घेणे.

मा.श्री. पद्मनाभ जोशी यांनी सुरवातीस सदर विषयाबाबतची सविस्तर माहिती सभासदांना दिली. व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी यांच्या नेमणूकीसंदर्भात भारतीय रिझर्व्ह बँकेने दि. 25.06.2021 रोजीच्या परिपत्रकाद्वारे मार्गदर्शक सूचना दिल्या आहेत. सदर सूचनांनुसार Nomination & Remuneration Committee (NRC) ने व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी यांच्या पुनर्नेमणूक / नेमणूकीची प्रक्रिया रिझर्व्ह बँकेच्या निकषांनुसार पूर्ण करून प्रस्ताव मा. संचालक मंडळाकडे संमतीसाठी सादर केला. त्यानंतर संचालक मंडळाच्या संमतीने सदर प्रस्ताव भारतीय रिझर्व्ह बँकेकडे मान्यतेसाठी पाठविण्यात आला आहे.

सभासद श्री. मारुती पाटील यांनी विचारले की MD & CEO यांची नेमणूक बाहेरून करण्यात येते की बँकेच्या कर्मचा-यामधून निवड होते आणि त्या करिता काही reservation / राखीव जागा SC/ST साठी आहेत का ?

यावर उत्तर देताना मा. अध्यक्षानी सांगितले की, आपल्या बँकेत Succession Planning वर सातत्याने काम केले जाते आणि आपल्याकडे अंतर्गत पात्र असलेल्या अधिका-यामधूनच ही निवड प्रक्रिया केली जाते.

मा.श्री. अनंत कुलकर्णी यांची MD & CEO म्हणून 3 वर्षांकरिता नेमणूक करावी अशी शिफारस रिझर्व्ह बँकेकडे केलेली आहे. हा तांत्रिक स्वरूपाचा ठराव असून याची नोंद घेण्याकरता हा ठराव सभेसमोर मांडण्यात येत आहे.

त्यानंतर मा. श्री. पद्मनाभ जोशी सर यांनी यासंदर्भातील ठराव क्र. 6 सभेसमोर मांडला.

ठराव क्र. 6 : रिझर्व्ह बँकेच्या मार्गदर्शक सूचनांनुसार श्री. अनंत नारायण कुलकर्णी यांची बँकेचे व्यवस्थापकीय संचालक आणि मुख्य कार्यकारी अधिकारी म्हणून पुनर्नेमणूक / नेमणूक करणेबाबतचा प्रस्ताव रिझर्व्ह बँकेकडे मंजूरीसाठी पाठविण्यात आला आहे. तरी सदर मार्गदर्शक सूचनांनुसार हा विषय या वार्षिक सर्वसाधारण सभेत नोंद घेण्याकरीता मा.संचालक, श्री. पद्मनाभ जोशी यांनी सादर केला. त्याची ही सर्वसाधारण सभा नोंद घेत आहे.

सूचक : श्री. स्वप्निल अनिल पोतदार सभासद क्र. 68983
 अनुमोदक : श्री. मच्छिंद्रनाथ पाटील सभासद क्र. 82838
 ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर विषयपत्रिकेवरील पुढील विषय मांडण्यासाठी मा. अध्यक्षांनी मा. संचालक श्री. मंगेश पाटील यांना सांगितले.

विषय : संचालक व त्यांचे नातेवाईक यांना दिलेल्या कर्जाची नोंद घेणे.

51 वर्षा पूर्वी सुरु झालेल्या आपल्या बँकेला दूरदृष्टी असलेले संचालक लाभले आणि काही निर्बंध नसतानाही बँकेच्या स्थापनेपासून बँकेच्या संचालकांनी बँकेतून स्वतः करीता कोणत्याही प्रकारचे कर्ज न घेण्याचे तसेच कोणालाही जांमिनदार म्हणून न राहण्याचे निर्बंध घालून घेतले आहेत व आजवर ते पाळले आहेत. संचालक व त्यांचे नातेवाईक यांना दिलेल्या कर्जाबद्दलची सविस्तर माहिती अहवालातील पान क्र. 20 वर दिली आहे असे मा. संचालक श्री. मंगेश पाटील यांनी सांगितले. त्यासंदर्भात पुढील प्रमाणे ठराव मांडला.

एका सभासदाने संचालकांनी कोणतेही कर्ज घेतले आहे का याबाबत माहिती विचारली.
 यावर उत्तर देताना मा.अध्यक्षांनी सांगितले की संचालकांनी कोणतेही कर्ज घेतलेले नाही.

त्यानंतर यासंदर्भातील ठराव क्र. 7 मांडण्यात आला.

ठराव क्र. 7 :संचालक व त्यांचे नातेवाईक यांना दिलेल्या कर्जाबाबतचा ठराव **मा.संचालक, श्री. मंगेश पाटील** यांनी सभेपुढे मांडला.

संचालक व त्यांचे नातेवाईक यांनी कोणत्याही प्रकारचे कर्ज आपल्या बँकेतून घेतले नाही त्यामुळे त्यांची कोणत्याही प्रकारची थकबाकी नाही, याची ही सभा नोंद घेत आहे.

सूचक : श्री. विनय विनायक सावंत सभासद क्र. 83028
 अनुमोदक : श्री. शेषराव मोतिराम राठोड सभासद क्र. 19756
 ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर पुढील विषय मांडण्यासाठी मा. अध्यक्षांनी मा. संचालिका, डॉ. वैदेही दफ्तरदार यांना सांगितले.

विषय : उपविधी दुरुस्तीस मंजूरी देणे.

मा. संचालिका, डॉ. वैदेही दफ्तरदार यांनी उपविधी दुरुस्ती बदलची माहिती अहवालातील पान क्र. 85 ते 89 यावर सविस्तरपणे दिली आहे हे सभेस सांगितले.

सभासद श्री. भावसार यांनी उपविधी बदलांबाबत माहिती द्यावी असे सांगितले.

मा. अध्यक्षांनी सांगितले की, उपविधी दुरुस्तीबाबतची सविस्तर माहिती कारणासहित अहवालात दिली आहे. त्यासंदर्भात सभासदांना काही प्रश्न असल्यास विचारावे असे सांगितले.

मा. संचालिका, डॉ. वैदेही दफ्तरदार यांनी उपविधी दुरुस्ती बदलची पुढील माहिती सभेस दिली. मल्टि-स्टेट को-ऑप सोसायटी अॅक्ट आणि रिझर्व्ह बँकेच्या मार्गदर्शक सूचनांमध्ये होणा-या बदलानुसार बँकेसही आपल्या उपविधीमध्ये बदल करावे लागतात. अहवालातील पान क्र. 85 ते 89 मध्ये उपविधी दुरुस्ती बदलची सविस्तर माहिती दिली आहे. यामध्ये एकूण 18 बदल असून त्यापैकी 10 बदल MSCS

ॲक्ट मधील बदलामुळे आहेत. यामध्ये काही उपविधीमध्ये सुधारणा तर काही उपविधी नव्याने अंतर्भूत (Addition) केले आहेत.

रिझर्व्ह बँकेच्या मार्गदर्शक सूचनांनुसार 3 उपविधींमध्ये बदल केले आहेत. उर्वरित 5 बदल सभासदांचे अधिकार व उपसमितीबाबत (Sub Committees of Board) आहेत. उपविधी दुरुस्तीबाबत सविस्तर माहिती जसे की, जुने उपविधी, नवीन उपविधी व त्यामधील बदलाचे कारण, अहवालामध्ये सविस्तरपणे दिले आहे.

सभासद श्री. विश्वास जोशी यांनी बँकेविषयी कोणाला तक्रार करायची असल्यास Appellate Authority आणि Ombudsman ची माहिती माहिती शाखेस उपलब्ध करावी असे सांगितले.

यावर मा. अध्यक्षानी सांगितले की याबाबतची आवश्यक ती माहिती शाखांमध्ये उपलब्ध आहे आणि त्यामध्ये काही बदल झाल्यास तशा सूचना शाखांना वेळोवेळी देण्यात येतील. तसेच ग्राहकांना सूचना आणि तक्रार करण्यासाठी response@kalyanjanata.in हा Mail ID बँकेने उपलब्ध करून दिलेला आहे. यासंदर्भातील माहिती ही बँकेच्या वेबसाईटवर आणि शाखांमध्ये सुद्धा उपलब्ध आहे.

ग्राहकांच्या माहितीकरीता आणि ग्राहक जागरुकतेकरीता अहवालातील पान क्र. 17 वर QR कोड असलेली मार्गदर्शक सूचना दर्शविली आहे. हा QR कोड स्कॅन करून, ग्राहक बँकेच्या वेबसाईटवर संचालक मंडळाने मंजूर केलेली विविध विषयांसंदर्भातील धोरणे (पॉलिसी) बघू शकतात. त्याचबरोबर भारतीय रिझर्व्ह बँकेच्या मार्गदर्शक सूचनांनुसार अनिवार्य असणारी, ग्राहकांकरीता दर्शविण्यात येणारी आवश्यक माहिती बघू शकतात.

ग्राहकांच्या माहितीकरीता आणि ग्राहक जागरुकतेकरीता अहवालातील पान क्र. 9,17,61 वर याबाबत माहिती दिली आहे.

त्यानंतर यासंदर्भातील ठराव क्र. 8 मांडण्यात आला.

ठराव क्र. 8 : बहुराज्यीय सहकारी कायदा 2002 मधील दि. 03.08.2023 रोजीची दुरुस्ती व सेंट्रल रजिस्ट्रार, नवी दिल्ली ने नमुना उपविधीमध्ये केलेल्या दुरुस्तीस अनुसरून तसेच रिझर्व्ह बँकेने दिलेल्या निर्देशानुसार बँकेच्या कामकाजामध्ये सुसूत्रता यावी या करीता संचालक मंडळाने उपविधी दुरुस्ती सुचविली आहे. उपविधी दुरुस्ती बाबतचा ठराव **मा. संचालिका, डॉ. वैदेही दप्तरदार** यांनी सभेपुढे मांडला व उपविधी क्र. 1 (II), 2 (IX), 2 (XIII), 2 (XXXI), 3 (xvi), 4 (IX), 8 (1), 8 (3), 14 (VII), 16 (IV), 37 (I), 39 (VIII), 39 XXXIV, 47 (I), 57 (I), 62, 66 मधील दुरुस्त्या समजावून सांगितल्या, सदर दुरुस्त्या अहवालाच्या पान क्र. 85 ते 89 वर नमुद केलेल्या आहेत. त्यास ही सभा मंजुरी देत आहे. तसेच उपविधी दुरुस्ती प्रस्ताव अंतिम मंजुरीसाठी सेंट्रल रजिस्ट्रार, नवी दिल्ली यांचेकडे पाठविणे करीता आवश्यक त्या कागदपत्रांवर सहा करण्याचे अधिकार अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष अथवा व्यवस्थापकीय संचालक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी यांचेपैकी एकास देण्यात येत आहेत.

सूचक : श्री. गोविंद वागे सभासद क्र. 19010

अनुमोदक : श्री. राजेंद्र नागे सभासद क्र. 39539

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर पुढील विषय मांडण्यासाठी मा. अध्यक्षानी मा. संचालक श्री. शशिकांत आंधळे यांना सांगितले.

विषय : या सर्वसाधारण सभेस अनुपस्थित असलेल्या सर्व सभासदांची अनुपस्थिती क्षमापित करणे.

बहुराज्यीय सहकारी कायदा 2002 मध्ये पात्र व अपात्र सभासदांबाबतचे निकष दिले आहेत. त्यातील एक निकष म्हणजे सलग तीन वर्षे वार्षिक सर्वसाधारण सभेस अनुपस्थित असलेले सभासद हे अपात्र सभासद ठरतात व पात्र सभासदांना मिळणा-या सवलती / लाभ त्यांना मिळू शकत नाहीत. अनुपस्थित सभासदांची अनुपस्थिती, सभेस उपस्थित असलेल्या सभासदांनी क्षमापित केल्यास असे सभासद या कारणामुळे अपात्र ठरत नाहीत.

मा. श्री. शशिकांत आंधळे सरांनी बँकेच्या विस्ताराबद्दल माहिती दिली. केवळ सभेस अनुपस्थित या कारणाने, सभासद अपात्र होऊ नये, यासाठी हा ठराव आहे. तरी अशा सभासदांची अनुपस्थिती क्षमापित करावी असा प्रस्ताव मा. संचालक श्री. शशिकांत आंधळे यांनी सभेपुढे मांडला.

सभासद श्री. मोरेश्वर मारुतराव घोरमोडे (सभासद क्र. 7581) या कोळसेवाडी शाखेतील ग्राहकाने बँकेच्या प्रगतीबद्दल सर्वांचे अभिनंदन केले व बँकेच्या सामाजिक उपक्रमात सभासदांना सहभागी करून घेण्याची सूचना केली.

यावर मा. अध्यक्षानी त्यांच्या सूचनेचा विचार केला जाईल असे सांगितले.

एका सभासदाने विनामुल्य वैद्यकीय तपासणी सुविधा न मिळाल्यामुळे तक्रार केली.

या संदर्भातील माहिती मागच्या वार्षिक सभेत दिली होती आणि वैयक्तिक प्रश्नांचे उत्तर माहिती घेवून नंतर देण्यात येईल असे मा. अध्यक्षानी सांगितले.

यानंतर एका सभासदाने ज्येष्ठ नागरिक म्हणून मिळणा-या सहकार्याबद्दल बँकेचे व कर्मचा-यांचे कौतुक केले. पुढे त्यांनी विनंती केली की पुढील शाखा सांगलीत सुरु करावी.

यावर मा. अध्यक्षानी त्यांचे आभार मानले व त्यांच्या सूचनेचा विचार केला जाईल असे सांगितले.

त्यानंतर यासंदर्भातील ठराव क्र. 9 मांडण्यात आला.

ठराव क्र. 9 : या वार्षिक सर्वसाधारण सभेस अनुपस्थित असलेल्या सर्व सभासदांची अनुपस्थिती क्षमापित करण्याचा ठराव **मा. संचालक, श्री. शशिकांत आंधळे** यांनी सभेपुढे मांडला.

अनुपस्थित असलेल्या सर्व सभासदांची अनुपस्थिती ही सभा क्षमापित करित आहे.

सूचक : श्री. टी.के.वासुदेवन सभासद क्र. 7098

अनुमोदक : श्री. शंकर रा. वर्तक सभासद क्र. 16066

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

त्यानंतर मा. अध्यक्षानी उपाध्यक्ष मा. डॉ. रत्नाकर फाटक यांना आभार प्रदर्शन करण्याची विनंती केली.

मा. उपाध्यक्ष डॉ. रत्नाकर फाटक यांनी सभेकरीता उपस्थित सर्व सभासदांचे आभार मानले. तसेच बँकेने उभे केलेले रु. 15.00 कोटी भागभांडवल हे बँकेवर दाखविलेल्या विश्वासामुळे शक्य झाले असल्याने त्यांचे पुनःश्च आभार मानले. बँकेचे सर्व खातेदार, ठेवीदार, बँकेचे सर्व हितचिंतक, उपस्थित माजी संचालक या सर्वांचे संचालक मंडळ आभारी आहे. सर्व संस्थापक संचालक, सदस्य यांच्याबद्दल कृतज्ञता व्यक्त केली. सभेत मंजूर केलेल्या ठरावांकरिता सूचक, अनुमोदक यांचे आभार मानले. तसेच सभेत उपस्थित असलेले DNS बँकेचे श्री. कर्वे, श्री. भोळे व सौ. मेघना आंबेकर यांचे देखील आभार मानले. बँकेचे वैधानिक लेखापरिक्षक सी. ए. प्रकाश पाठक व मुख्य अंतर्गत लेखापरिक्षक सी. ए. धनंजय गोखले यांचे आभार मानले. बँकेच्या बोर्ड ऑफ मॅनेजमेंटवर सदस्य असलेले, रिझर्व्ह बँकेचे निवृत्त अधिकारी श्री. विवेक घळसासी, डॉ. बिपिनचंद्र वाडेकर, अॅड. अश्विन जोगळेकर यांचे मोलाचे मार्गदर्शन बँकेला

मिळते, त्याबद्दल आभार व्यक्त केले. बँकेच्या वार्षिक अहवालाच्या छपाईचे काम करणा-या प्रिंटिंग प्रेस, नवरंग बँकवेट हॉलचे मालक व व्यवस्थापक, सभेच्या कामकाजाचे चित्रिकरण करणारे छायाचित्रकार श्री. श्रीनिवास लेले, सिक्युरिटी गार्ड्स, अनंत हलवाई या सर्वांना धन्यवाद दिले. बँकेचे संस्थापक संचालक कै. वामनराव साठे यांच्या स्मरणिकेची छपाई करणारे कल्याण नागरिक यांचे आभार मानले. बँकेच्या कर्मचारी संघटना व अधिकारी असोसिएशन तसेच ज्या कर्मचा-यांनी सभा यशस्वी करण्याकरिता मेहनत घेतली त्यांच्याप्रती आभार व्यक्त केले.

शेवटी सर्व उपस्थितांना बँकेबद्दल असलेल्या प्रेमाकरिता व बँकेची सद्य आर्थिक परिस्थिती समजून घेतली त्याबद्दल धन्यवाद दिले व बँकेप्रती असलेले प्रेम व आस्था कायम ठेवावी अशी आशा व्यक्त केली. बँकेच्या प्रगतीमध्ये असाच सहभाग राहिल असा विश्वास व्यक्त केला.

सभासद श्री. मारुती पाटील यांनी सर्व संचालक मंडळास विनंती केली की, कर्मचा-यांच्या कामगिरीबद्दल त्यांच्या अभिनंदनाचा ठराव करावा.

यावर मा. उपाध्यक्ष मा. डॉ. रत्नाकर फाटक सर यांनी अनुमती दर्शवली.

यानंतर मा. अध्यक्षांनी सभेची सांगता झाल्याचे जाहिर केले.